



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-Section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 188

नई दिल्ली, बुधवार, मई 8, 1991/वैशाख 18, 1913

No. 188 NEW DELHI, WEDNESDAY, MAY 8, 1991/VAISAKHA 18, 1913

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

संसदीय कार्य मंत्रालय

अधिसूचनाएं

नई दिल्ली, 8 मई, 1991

सा. का. नि. 269(अ):— केन्द्रीय सरकार, संभव में विपक्षी नेता
और वेतन और भत्ते अधिनियम, 1977 (1977 का 33) की धारा 8
की उपधारा (2) के साथ पठित धारा 10 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग
करते हुए संभव में विपक्षी नेता (भत्ते, चिकित्सीय और अन्य सुविधाएं),
नियम, 1977 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम
बनाती है, अर्थात्:—

- (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम संसद में विपक्षी नेता (भत्ते,
चिकित्सीय और अन्य सुविधाएं) (संशोधन) नियम, 1991 है।
- (2) ये 1 अक्टूबर, 1990 से प्रवृत्त हुए समझे जाएंगे।
2. संसद में विपक्षी नेता (भत्ते, चिकित्सीय और अन्य सुविधाएं)
नियम, 1977 में:—

(1) नियम 18 के पश्चात् निम्नलिखित नियम अन्तःस्थापित किया
जाएगा, अर्थात्:—

“18क स्टाफ कार चालक —(1) जहाँ विपक्षी नेता को किसी
अवधि के लिए सुरक्षा के प्रयोजनों में या अन्यथा स्टाफ कार

उपलब्ध कराई जाती है, वहाँ वह ऐसी अवधि के लिए किसी
स्टाफ कार चालक के लिए भी हकदार होगा।

- (2) स्टाफ कार चालक के पद की वही हैसियत और वेतनमान होगा
जो केन्द्रीय सरकार के अधीन किसी मंत्रिमण्डल मंत्री के निजी
स्टाफ में तत्समान पद को लागू होता है”

- (ii) विद्यमान प्रारूप IV के स्थान पर निम्नलिखित प्रारूप रखा
जाएगा, अर्थात्:—

प्रारूप IV

(नियम 19)

प्रमाणपत्र

प्रमाणित किया जाता है कि मैंने विपक्षी नेता के रूप में अपने कर्तव्यों
के निर्वहन में ————— के मास के दौरान सवारी पर
————— से अन्यून का व्यय उपगत किया है
और साथ ही मुझे उक्त अवधि के दौरान सुरक्षा के कारणों में या अन्यथा
स्टाफ कार उपलब्ध नहीं कराई गई थी।

[सं० एफ० 14 (2)/89 का. प्र.]

संसद में विपक्षी नेता (भत्ते, चिकित्सीय और अन्य सुविधाएँ) (संशोधन) नियम, 1991 का स्पष्टीकारक ज्ञापन

जहाँ लोक सभा के गठन के परिणामस्वरूप कांग्रेस (भाई) दल के नेताओं को 18 दिसम्बर, 1989 से लोक सभा और राज्य सभा में विपक्षी नेताओं के रूप में मान्यता प्रदान की गई थी। क्योंकि विपक्षी नेताओं को मंत्रिमण्डल मंत्री की प्रास्थिति प्रदान की गई है इसलिए सकारी भत्ते की रकम में एक उच्च स्तर तक वृद्धि करने का और मंत्रिमण्डल मंत्रियों को उपलब्ध कतिपय सुविधाओं को विपक्षी नेताओं को भी उपलब्ध कराने का विनिश्चय किया गया था। क्योंकि संशोधन भत्तों/सुविधाओं में वृद्धि का उपबंध करने के लिए है, इसलिए इन संशोधनों को भूतलक्षी प्रभाव दिए जाने से किसी पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना नहीं है।

MINISTRY OF PARLIAMENTARY AFFAIRS NOTIFICATIONS

New Delhi, the 8th May, 1991

G.S.R. 269(E).—In exercise of the powers conferred by section 10, read with sub-section (2) of section 8, of the Salary and Allowances of Leaders of Opposition in Parliament Act, 1977 (33 of 1977), the Central Government hereby makes the following rules, further to amend the Leaders of Opposition in Parliament (Allowances, Medical and other Facilities) Rules, 1977, namely :—

1. (1) These rules may be called the Leaders of Opposition in Parliament (Allowances, Medical and other Facilities) (Amendment) Rules, 1991.

(2) They shall be deemed to have come into force on the 1st day of October, 1990.

2. In the Leaders of Opposition in Parliament (Allowances, Medical and other Facilities) Rules, 1977,—

(i) after rule 18, the following rule shall be inserted namely :—

“18A. Staff Car Driver.—(1) Where the Leader of Opposition is provided with staff car for the purposes of security or otherwise for any period he shall also be entitled to a staff car driver for such period.

(2) The post of staff car driver shall carry the same status and scale of pay as is applicable to the corresponding post on the personal staff of a Cabinet Minister under the Central Government”;

(ii) for the existing Form IV, the following Form shall be substituted, namely :—

FORM IV

(Rule 19)

CERTIFICATE

Certified that I have incurred an expenditure of not less than Rupees— in the discharge of my duties as the Leader of the Opposition and also that I was not provided a staff car on account of security reasons or otherwise during the said period.”

[No. F. 14(2)|89-W3]

Explanatory Memorandum to the Leaders of Opposition in Parliament (Allowances, Medical and other Facilities (Amendment) Rules, 1991

Consequent to the constitution of the 9th Lok Sabha, Leaders of the Congress (I) party were recognised as the Leaders of Opposition in the Lok Sabha and Rajya Sabha with effect from 18th December, 1989. As the Leaders of Opposition have been accorded the status of a Cabinet Minister, it was decided to raise the amount of conveyance allowance to a reasonable level and to provide certain facilities as available to the Cabinet Ministers, to the Leaders of Opposition also. As the amendments seek to provide the increase in allowance facilities, nobody is likely to be adversely affected by giving these amendments retrospective effect.

संसद में विपक्षी नेता (मोटरकार के लिए भ्रमि) नियम 1991

सा. का. नि. 270(घ):—केन्द्रीय सरकार संसद में विपक्षी नेता वेतन और भत्ते अधिनियम, 1977 की धारा 8क के साथ पठित धारा 10 द्वारा प्रयत्न शक्तियों का प्रयोग करने हुए विपक्षी नेताओं को मोटर कार खरीदने के लिए भ्रमि की मंजूरी को विनियमित करने वाले निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ :—(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम संसद में विपक्षी नेता (मोटर-कार के लिए भ्रमि) नियम 1991 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. भ्रमि की अधिकतम रकम :—वह अधिकतम रकम जो संसद में किसी विपक्षी नेता को मोटर कार खरीदने के लिए उधार दी जा सकेगी, पचास हजार रुपये या उस मोटर कार की, जिसे खरीदने का विचार है, वास्तविक कीमत से, जो भी कम है, अधिक नहीं होगा।

3. भ्रमि का प्रतिसंदाय :—(1) नियम 2 के अधीन दिए गए भ्रमि और उस पर व्याज की वसूल संबंधित विपक्षी नेता के वेतन से, अधिक से अधिक साठ बराबर मासिक किस्तों में की जाएगी। किन्तु यदि भ्रमि लेने वाला विपक्षी नेता ऐसा चाहता है तो सरकार कम किस्तों में वसूली अनुज्ञात कर सकेगी। यह कटौती भ्रमि लेने के पश्चात् वेतन के पढ़ने बिल से प्रारम्भ की जाएगी। भ्रमि पर उस दर से साधारण व्याज प्रभारित किया जाएगा जो सरकारी सेवकों द्वारा वाहन खरीदने के प्रयोजन के लिए सरकार द्वारा नियम किया गया है।

स्पष्टीकरण :—(1) मासिक किस्तों में वसूल की जाने वाली भ्रमि की रकम पूरे-पूरे रूपों में नियत की जाएगी सिवाय अन्तिम किस्त के, जब शेष बचाया रकम जिसमें रुपए की भिन्न भी है, वसूल की जाए।

(2) यदि कोई विपक्षी नेता भ्रमि का पूर्णतः प्रतिसंदाय किए जाने से पूर्व अपना पद छोड़ता है तो शेष बचाया राशि उस पर व्याज सहित तुरन्त सरकार को एक मुश्त राशि में संसद की जाएगी।

4. मोटर कार का विक्रय :—(1) उस दशा के सिवाय जब कोई विपक्षी नेता अपना पद छोड़ता है, विपक्षी नेता भ्रमि की सहायता से खरीदी गई मोटर कार के विक्रय के लिए सरकार को पूर्व मंजूरी लेना यदि ऐसा भ्रमि उस पर उद्भूत व्याज सहित पूर्णतः प्रति संवत् नहीं कर दिया गया है। यदि कोई विपक्षी नेता मोटर कार और उससे सम्बद्ध वाणिज्य का अन्तर्गण किसी अन्य विपक्षी नेता को करना चाहता है, तो उसे ऐसा करने के लिए सरकार के आदेशों के अधीन अनुज्ञात किया जा सकेगा परन्तु यह तब जब खरीदने वाला विपक्षी नेता यह घोषणा अभिलिखित करे कि उसे इस बात का पता है कि उसे अन्तर्गत मोटर कार सरकार के पास बंधक है और वह बंधकपत्र के विवरणों और उपबंधों से आबद्ध है।

(2) उन सभी मामलों में जहाँ किसी मोटर कार का विपक्षी अधिम और उस पर व्याज का पूर्णतः प्रतिसंदाय किए जाने से पूर्व किया जाता है, वहाँ विपक्षी भागम का उपयोग जहाँ तक आवश्यक हो, शेष बकाया रकम के प्रतिसंदाय के लिए किया जाना चाहिए :

परन्तु जब मोटर कार का विपक्षी इस दृष्टि से किया जाता है कि दूसरी मोटर गाड़ी खरीदी जा सके तब सरकार विपक्षी भागम का ऐसी खरीद के लिए उपयोग किए जाने के लिए विपक्षी नेता को निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए अनुज्ञात कर सकेगी, अर्थात् :—

(क) शेष बकाया रकम नई कार की लागत से अधिक नहीं होने दी जाएगी;

(ख) शेष बकाया रकम का पूर्व नियत दर पर प्रतिसंदाय किया जाता रहेगा और

(ग) नई कार सरकार को बंधक की जाएगी और उसका बीमा भी करवाया जाएगा।

5. अवधि जिसके भीतर कार खरीदने के लिए बातचीत पूरी की जा सकेगी :—अधिम लेकर मोटर कार खरीदने वाला विपक्षी नेता मोटर कार खरीदने की बातचीत पूरी करके उसका अन्तिम संदाय अधिम लेने की तारीख से एक मास के भीतर करेगा, ऐसी बातचीत पूरी करके संदाय करने में असफल रहने पर लिए गए अधिम की पूरी रकम उस पर एक मास के व्याज सहित सरकार को वापस कर दी जाएगी किन्तु लेन देन पूरा करने की एक मास की अवधि में सरकार द्वारा विशेष मामलों में छूट दी जा सकेगी। जब किसी मोटर कार की खरीद करके उसका पूरा संदाय किया जा चुका हो तब मोटर कार की खरीद करने के लिए कोई अधिम अनुशेष नहीं होगा यदि संदाय भाग रूप किया गया है तो अधिम दी जाने वाली बाकी रकम तक सीमित होगा जैसा विपक्षी नेता द्वारा प्रमाणित किया जाए।

6. करार का निष्पादन :—अधिम लेते समय विपक्षी नेता प्ररूप 1 में एक करार निष्पादित करेगा और खरीद पूरी होने पर वह सब अधिम के लिए प्रतिभूति के रूप में उक्त मोटर कार सरकार को ग्राहमान करेगा। प्ररूप 2 में एक बंधपत्र निष्पादित करेगा। मोटर कार की कीमत बंधपत्र के साथ संलग्न विनिर्देशों की अनुसूची में प्रविष्टि की जाएगी।

7. लेखा अधिकारी का प्रमाणपत्र :—जब कोई अधिम लिया गया हो तब मंजूरी प्राधिकारी लेखा अधिकारी को इस भाष्य का एक प्रमाणपत्र भेजेगा कि अधिम लेने वाले विपक्षी नेता के प्ररूप 1 में करार पर हस्ताक्षर कर दिए हैं और वह करार ठीक पाया गया है मंजूरी प्राधिकारी यह देखेगा कि मोटर कार की खरीद अधिम लेने की तारीख से एक मास के भीतर या ऐसी अवधि के भीतर जो नियम 5 के अधीन लेन देन पूरा करने के लिए विशेष मामलों में सरकार द्वारा विनिर्दिष्ट रूप से अनुज्ञात की गई हो की जाती है और वह प्राधिकारी प्रत्येक बंधपत्र को प्रतिम रूप से रिकार्ड किए जाने से पूर्व लेखा अधिकारी को उसकी परीक्षा के लिए तत्काल प्रस्तुत करेगा।

8. सुरक्षित अभिरक्षा और बंधपत्र का रद्द किया जाना :—बंधपत्र मंजूरी प्राधिकारी की सुरक्षित अभिरक्षा में रखा जाएगा जब अधिम और उस पर व्याज का पूर्णतः संदाय कर दिया गया हो, तब अधिम और व्याज के पूर्ण प्रतिसंदाय के बारे में लेखा अधिकारी से प्रमाणपत्र अधिप्राप्त करने के पश्चात् बंधपत्र सम्पत्तः रद्द किया जा कर संबंधित विपक्षी नेता को वापस कर दिया जाएगा।

9. मोटर कार का बीमा :—अधिम से खरीदी गई मोटर कार का अग्नि, चोरी या दुर्घटना से हानि के लिए पूरा बीमा कराया जाएगा। बीमा पॉलिसी में (प्ररूप 3 में उप में) एक खंड होगा जिसके द्वारा बीमा कम्पनी मोटर कार की ऐसी हानि या नुकसान को आवस्त, जिसकी प्रसिद्धि मरम्मत यथापूर्वकरण या प्रतिस्थापन द्वारा नहीं की जाती है, संदेय किन्हीं राशिओं का संदाय स्वामी को करने के बजाए सरकार को करने के लिए करार करती है।

प्ररूप I

(नियम 6)

मोटर कार खरीदने के लिए अधिम लेते समय निष्पादित किए जाने वाले करार का प्ररूप।

यह करार एक पक्षकार के रूप में श्री _____ जो संसद (लोकसभा/राज्य सभा में विपक्षी नेता है) जिसे इसमें इसके आगे उधार लेने वाला कहा गया है (और जिस पर के अन्तर्गत उसके विधिक प्रतिनिधि और समनुदेशिता भी है) और दूसरे पक्षकार के रूप में भारत के राष्ट्रपति (जिन्हें इसमें इसके आगे केन्द्रीय सरकार कहा गया है) के के बीच आज तारीख _____ की किया गया।

उधार लेने वाले ने मोटर कार खरीदने के लिए संसद में विपक्षी नेता (मोटर कार के लिए अधिम) नियम, 1991 के अधीन _____ र. (_____ रूप में) उधार दिए जाने के लिए केन्द्रीय सरकार की आवेदन किया है और केन्द्रीय सरकार उधार लेने वाले को उक्त रकम इसमें इसके आगे दिए गए निबंधनों और शर्तों पर देने के लिए सहमत हो गई है।

2. इसके पक्षकारों के बीच यह करार किया जाता है कि उधार लेने वाले केन्द्रीय सरकार द्वारा दी गई _____ र. (_____ रूप में) की राशि (जिसके लिए उधार लेने वाला इसके द्वारा पावती देता है) के प्रतिफलस्वरूप उधार लेने वाला केन्द्रीय सरकार के साथ यह करार करता है कि वह—

(i) उक्त नियमों के अनुसार संगणित व्याज सहित उक्त रकम का केन्द्रीय सरकार को संदाय अपने वेतन में से प्रति मास कटौती कराके करेगा, जैसा कि उक्त नियमों द्वारा उपबंधित है, और ऐसी कटौतियां करने के लिए केन्द्रीय सरकार का प्राधिकृत करता है—

(ii) इस विलेख की तारीख से एक मास के भीतर, उक्त उधार की पूरी रकम मोटर कार खरीदने में लगाएगा या यदि उसके द्वारा दी गई वास्तविक कीमत उधार की रकम से कम है तो शेष रकम केन्द्रीय सरकार को तुरन्त लौटा देगा, और

(iii) उधार लेने वाले को पूर्वोक्त रूप में उसे दी गई उधार की रकम और व्याज के लिए प्रतिभूति के रूप में उक्त मोटर कार का केन्द्रीय सरकार के पक्ष में ग्राहमान रखने के लिए उक्त नियम द्वारा उपबंधित प्ररूप में दस्तावेज निष्पादित करेगा। अंत में यह करार किया जाता है और घोषणा की जाती है कि यदि इस विलेख की तारीख से एक मास के भीतर मोटर कार खरीदी नहीं जाती है और ग्राहमान नहीं रखी जाती है या यदि उधार लेने वाला उक्त अधिम के भीतर विवालिया हो जाता है या अपना पद छोड़ देता है या अन्यथा विपक्षी नेता नहीं रहता है या मर जाता है तो उधार की पूरी रकम और उस पर प्रोदभूत व्याज तुरन्त सीधे और संदेय हो जाएगा।

इसके साध्यस्वरूप इस पर ऊपर लिखी तारीख को उधार लेने वाले ने हस्ताक्षर कर दिए हैं।

उक्त श्री _____ ने _____ की उपस्थिति में हस्ताक्षर किए।

प्ररूप II

(नियम 6)

मोटर यान के लिए अधिम बंधक पत्र का प्ररूप

यह करार एक पक्षकार के रूप में श्री _____ (जिसे इसमें इसके आगे "उधार लेने वाला" कहा गया है और जिस पर के अन्तर्गत उसके वारिस प्रशासक, निष्पादक और विधिक प्रतिनिधि भी है) और

दूसरे पक्षकार के रूप में भारत के राष्ट्रपति (जिन्हें इसमें इसके आगे "राष्ट्रपति" कहा गया है और जिस पद के अन्तर्गत उनके उत्तर-वर्ती और समनुदेशिता भी हैं) के बीच भाज तारीख -----को किया गया।

उधार लेने वाले ने एक मोटर यान खरीदने के लिए संसद में विपक्षी नेता (मोटर कार के लिए अधिम) नियम 1991 (जिन्हें इसमें इसके आगे "उक्त नियम" कहा गया है) नियम 2 के निबंधनों पर ----- रूप के अधिम के लिए आवेदन किया है और वह संजूर कर दिया गया है और उधार लेने वाले को उक्त उधार अंतर्गत शर्तों पर दिया गया है/दिया गया था उनमें से यह एक है कि उधार लेने वाले उसे उधार की गई रकम के लिए प्रतिभूति के रूप में उक्त मोटर यान राष्ट्रपति को आह्वान रखेगा और उधार लेने वाले ने पूर्वोक्त रूप में दिए गए उधार की रकम से या उसके भाग से मोटर यान जिसकी विनिर्दिष्टियाँ इसके नीचे लिखी अनुसूची में दी गई हैं, खरीद ली है।

अब यह विवेक इस बात का साक्षी है कि उक्त करार के अनुसरण में और पूर्वोक्त प्रतिफल के लिए उधार लेने वाला यह करार करता है कि वह पूर्वोक्त ----- (-----रूप) की रकम या उसके उस अतिशेष का, जो इस विवेक की तारीख की प्रसवत रह जाता है ----- (-----रूप) की समान किस्तों में प्रत्येक मास के प्रथम दिन संदाय करेगा और तत्समय देय और शोध्य रह गई राशि पर उक्त नियमों के अनुसार संगणित ब्याज देगा, तथा उधार लेने वाला इस बात के लिए सहमत है कि ऐसी किस्तें उक्त नियमों द्वारा उपबंधित रीति में उसके वेतन में से मासिक कटौतियाँ करके बसूल की जा सकेंगी और उक्त करार के ही अनुसरण में उधार लेने वाला मोटर यान का, जिसकी नीचे लिखी अनुसूची में उपबंधित है, उक्त अधिम और उस पर ब्याज के लिए प्रतिभूति के रूप में उक्त नियमों की अपेक्षानुसार राष्ट्रपति को समनुदेशन और अन्तरण करता है।

उधार लेने वाला यह करार करता है और यह घोषणा करता है कि उसने उक्त मोटर यान की पूरी कीमत दे दी है और वह उसकी आर्थिक सम्पत्ति है और उसने उसे गिरवी नहीं रखा है और जब तक उक्त अधिम के संबंध में कोई धनराशि राष्ट्रपति को संवेय रहती है तब तक वह उक्त मोटर यान को न तो बेचेगा, न गिरवी रखेगा और न उसमें अपने स्वत्व या कब्जे को छोड़ेगा।

यह भी करार किया जाता है और घोषणा की जाती है कि यदि मूलधन की उक्त किस्तों में से कोई किस्त या ब्याज देय हो जाने के पश्चात् दस दिन के भीतर पूर्वोक्त रूप में नहीं दे दिया जाता है या बसूल नहीं कर लिया जाता है या यदि उधार लेने वाले की मृत्यु हो जाती है या वह किसी भी समय अपना पद छोड़ देता है या अन्यथा विपक्षी नेता नहीं रहता है अथवा यदि उधार लेने वाला उक्त मोटर यान को बेच देता है या गिरवी रख देता है या उसमें अपने स्वत्व या कब्जे को छोड़ देता है अथवा वह बिवालिया हो जाता है या अपने लेनेदारों के साथ कोई समझौता या ठहराव कर लेता है अथवा यदि कोई व्यक्ति उधार लेने वाले के खिलाफ किसी डिब्री या निर्णय के निष्पादन में कार्यवाही प्रारंभ करता है तो उक्त मूलधन की पूरी रकम जो उस समय देय हो किन्तु जिसका संदाय न किया गया हो, पूर्वोक्त रूप में संगणित ब्याज सहित तुरन्त संवेय हो जाएगी ;

और इसके द्वारा यह करार किया जाता है और घोषणा की जाती है कि इसमें इसके पूर्व उल्लिखित घटनाओं में से किसी के होने पर राष्ट्रपति उक्त मोटर यान का अभिग्रहण कर सकेंगे और उस का कब्जा ले सकेंगे तथा या तो उसकी हटाए बिना उस पर कब्जा रख सकेंगे या उसे हटा सकेंगे और सार्वजनिक नीलाम अथवा प्राइवेट सविदा द्वारा उक्त मोटर यान को बेच सकेंगे तथा बेचने से प्राप्त रकम में से उक्त उधार का उस समय शेष भाग और पूर्वोक्त रूप में संगणित और देय कोई ब्याज और इसके अधीन अपने अधिकारों को बनाए रखने, उनकी

रक्षा या उन्हें प्राप्त करने में उचित रूप से किए गए सब खर्च, प्रभार, व्यय और संदाय अपने पास रख सकेंगे तथा यदि कोई रकम शेष रहती है तो उसे उधार लेने वाले उसके निष्पादकों, प्रशासकों या वैयक्तिक प्रतिनिधियों को दे देंगे :

परन्तु उक्त मोटर यान का कब्जा लेने या उसका बेचने की पूर्वोक्त शक्ति से, उधार लेने वाले पर या उनके वैयक्तिक प्रतिनिधियों पर उक्त शेष रकम और ब्याज के लिये, अथवा यदि मोटर यान बेच दिया जाता है तो उतनी रकम के लिए राष्ट्रपति के बाद जाने के अधिकार पर प्रति-कूल प्रभाव नहीं पड़ेगा, जितनी से बेचने से प्राप्त शुद्ध आगम देय रकम से कम पड़े ;

तथा उधार लेने वाला यह भी करार करता है कि जब तक कोई धनराशि राष्ट्रपति को देय हो और बाकी रहे तब तक उधार लेने वाला उक्त मोटर यान का अग्नि, चोरी या दुर्घटना में हानि या नुकसान के लिए किसी बीमा कंपनी में, जो संबंधित लेखा अधिकारी द्वारा अनुमोदित की जाए, बीमा कराएगा और उसे जानू रखेगा तथा लेखा अधिकारी के समाधानप्रब रूप में इस बात का साक्ष्य पेश करेगा कि उक्त मोटर बीमा कंपनी की, जिसमें उक्त मोटर यान का बीमा कराया गया है यह सूचना मिल चुकी है कि उसकी पालिसी से राष्ट्रपति हितवद्द है ;

और उधार लेने वाला यह भी करार करता है कि वह उक्त मोटर यान को नष्ट या क्षतिग्रस्त नहीं करने देगा या लेंने देगा अथवा उसमें उचित दूट-फूट से अधिक दूट-फूट नहीं होने देगा तथा यदि मोटर उक्त यान को कोई नुकसान पहुंचा है या उसके साथ कोई दुर्घटना होती है तो उधार लेने वाला उसकी तुरन्त मरम्मत कराएगा और उसे ठीक करा लेगा।

अनुसूची

मोटर यान का वर्णन.....
निर्माता का नाम.....
वर्णन.....
सिलेंडरों की संख्या.....
इंजन संख्या.....
शेसिस संख्या.....
लागत कीमत.....

इसके साध्यस्वरूप इसमें ऊपर लिखी तारीख को उक्त -----
----- (उधार लेने वाले का नाम) ने और भारत के
राष्ट्रपति के लिए तथा उनकी और से -----
ने इस पर अपने-अपने हस्ताक्षर कर दिए हैं।

उक्त ----- (उधार लेने वाले का नाम)

ने -----
(उधार लेने वाले के हस्ताक्षर और पदनाम)

(1) ----- (साक्षी का नाम, पता और व्यवसाय)
----- (साक्षी के हस्ताक्षर)

(2) ----- (साक्षी का नाम, पता और व्यवसाय)
----- (साक्षी के हस्ताक्षर)

की उपस्थिति में हस्ताक्षर किए।

राष्ट्रपति के लिए और उनकी और से
----- (नाम और पदनाम)

ने -----
(अधिकारी के हस्ताक्षर और पदनाम)

(1) ----- (साक्षी का नाम, पता और व्यवसाय)
----- (साक्षी के हस्ताक्षर)

(2) ----- (साक्षी का नाम, पता और व्यवसाय)
----- (साक्षी के हस्ताक्षर)

की उपस्थिति में हस्ताक्षर किए।

उधार लेने वाले का नाम और पदनाम-----

प्रकरण III

(नियम 9)

बीमा पालिसियों में जोड़े जाने वाले खंड का प्रकरण

यह घोषणा की जाती है और करार किया जाता है कि श्री ----- (मोटर कार का स्वामी, जिसे हममें हममें आगे हम पालिसी की अनुसूची में बीमाकृत कहा गया है) ने मोटर कार भारत के राष्ट्रपति की (जिन्हें हममें इसके आगे "सरकार" कहा गया है) इन अधिकारों के लिए प्रतिभूति के रूप में आडमान कर दी है, जो उस मोटर कार के खरीदने के लिए दिया गया है। यह श्री घोषणा की जाती है और करार किया जाता है कि उस सरकार ऐसे धन में हितबद्ध है जा यदि यह पृष्ठांकन न होता तो उक्त श्री ----- (हम पालिसी के अधीन बीमाकृत) को उक्त मोटर कार की हानि या नुकसान की बावत (जिस हानि या नुकसान की प्रतिभूति, सम्भ्रम, यथा पूर्वेकरण या प्रतिस्थापन द्वारा नहीं की गई है) संदेय होता और ऐसा धन सरकार को उस समय तक दिया जाएगा जब तक कि वे मोटर कार के संबंधकार हैं और उनकी रसीद इस बात का प्रमाण होगी कि ऐसी हानि या नुकसान की बावत कंपनी ने पूरा और अंतिम भुगतान कर दिया है।

2. इस पृष्ठांकन द्वारा आवश्यक रूप में जो करार किया गया है उसके सिवाय उसकी किसी भी बात से बीमाकृत के या कंपनी के, पालिसी के अधीन या संबंध में अधिकारों या दायित्वों का अथवा हम पालिसी के किसी निबंधन उपबंध या शर्त का न तो उपांतरण होगा और न उस पर प्रभाव पड़ेगा।

[सं. 14 (2) 89 - का. अ.]

आर. श्रीनिवासन, सचिव

THE LEADERS OF OPPOSITION IN PARLIAMENT (ADVANCE FOR MOTOR CAR) RULES, 1991

G.S.R. 270(E).—[In exercise of the powers conferred by Section 10 read with Section 8A of the Salary and Allowances of Leaders of Opposition in Parliament Act, 1977, the Central Government hereby makes the following rules to regulate the grant of advance for purchase of motor car to the Leaders of Opposition, namely :—

1. Short title and commencement:—

(1) These rules may be called the Leaders of Opposition in Parliament (Advance for Motor Car) Rules, 1991.

(2) They shall come into force from the date of their publication in the Official Gazette.

2. Maximum Amount of Advance.—The maximum amount which may be advanced to a Leader of Opposition in Parliament for the purchase of a motor car shall not exceed rupees fifty thousand or the actual price of the motor car, which is intended to be purchased, whichever is less

3. Repayment of Advance.—(1) Recovery of the advance granted under rule 2, together with interest thereon, shall be made from the salary bill of the Leader of Opposition concerned in not more than sixty equal monthly instalments. The Government may, however, permit recovery to be made in a smaller number of instalments if the Leader of Opposition receiving the advance so desires. The deduction shall commence with the first issue of salary after the advance is drawn. Simple interest at the rate fixed by the Government for the purpose of purchase of conveyances by Government servants, shall be charged on the advance.

Explanation.—(1) The amount of the advance to be recovered monthly shall be fixed in whole rupees except in the case of last instalment when the remaining balance including any fraction of a rupee is to be recovered.

(2) In case a Leader of the Opposition relinquishes office before the advance is fully repaid, the outstanding balance together with interest thereon shall be paid to the Government immediately in one lump sum.

4. Sale of Motor Car.—(1) Except when a Leader of Opposition relinquishes his office, the previous sanction of the Government shall be obtained for the sale by the Leader of Opposition of the motor car purchased with the aid of an advance, if such advance together with the interest accrued thereon has not been fully repaid. If a Leader of Opposition wishes to transfer the motor car and the liability attaching thereto to another Leader of Opposition, he may be permitted to do so under the orders of the Government provided that the purchaser i.e., Leader of the Opposition, records a declaration that he is aware that the motor car transferred to him remains subject to mortgage to the Government and that he is bound by the terms and provisions of the mortgage bond.

(2) In all cases, where a motor car is sold before the advance with interest thereon has been fully repaid, the sale proceeds must be applied, so far as may be necessary, towards the repayment of such outstanding balance:

Provided that when the motor car is sold only in order that another motor car may be purchased, the Government may permit the Leader of Opposition to apply the sale proceeds towards such purchase, subject to the following conditions, namely :—

- (a) the amount outstanding shall not be permitted to exceed the cost of the new car;
- (b) the amount outstanding shall continue to be repaid at the rate previously fixed; and
- (c) the new car shall be mortgaged to the Government and also insured.

5. Period within which Negotiations for purchase of Car may be completed.—A Leader of the Opposition who draws an advance for the purchase of a motor car, shall complete negotiations for the purchase of, and make final payment for the motor car, within one month of the date on which he draws the advance; failing such completion and payment, the

full amount of the advance drawn, with interest thereon for one month, shall be refunded to the Government. The period of one month for completion of the deal may, however, be relaxed by the Government in individual cases. An advance will not be admissible when a motor car has already been purchased and paid for in full. In a case in which payment has been made in part, the amount of advance will be limited to the balance to be paid as certified by the Leader of Opposition.

6. Execution of Agreement.—At the time of drawing the advance, the Leader of Opposition shall execute an agreement in Form I and; on completing the purchase, he shall further execute a mortgage bond in Form II hypothecating the motor car to the Government as a security for the advance. The cost price of the motor car shall be entered in the schedule of specifications attached to the mortgage bond.

7. Certificate of the Accounts Officer.—When an advance is drawn, the sanctioning authority shall furnish to the Accounts Officer a certificate that the agreement in Form I has been signed by the Leader of Opposition drawing the advance and that it has been found to be in order. The sanctioning authority shall see that the motor car is purchased within one month from the date on which the advance is drawn or such period as may have been specifically allowed in individual cases, by the Government for completion of the deal under rule 5, and shall submit every mortgage bond promptly to the Accounts Officer for examination before final record.

8. Safe Custody and cancellation of Mortgage Bond.—The mortgage bond shall be kept in the safe custody of the sanctioning authority. When the advance together with the interest thereon has been fully repaid, the bond shall be returned to the Leader of Opposition concerned duly cancelled, after obtaining a certificate from the Accounts Officer as to the complete repayment of the advance and interest.

9. Insurance of Motor Car.—The motor car purchased from the advance shall be fully insured against loss by fire, theft or accident. The insurance policy shall contain a clause (as in Form III) by which the insurance company agrees to pay to the Government, instead of the owner, any sums payable in respect of loss or damage to the motor car which is not made good by repair, reinstatement or replacement.

FORM I

(Rule 6)

Form of agreement to be executed at the time of drawing an advance for the purchase of a motor car

An agreement made this _____ day of _____ one thousand nine hundred and _____ BETWEEN Shri _____ Leader of the Opposition in Parliament (Lok Sabha/Rajya Sabha) (hereinafter called the Borrower, which expression shall include his legal representatives and assignee) of the one part and the President of India (hereinafter called the Central Government) of the other part.

Whereas the Borrower has under the Leaders of Opposition in Parliament (Advance for Motor Car) Rules, 1991, applied to the Central Government for a loan of Rs. _____ (Rupees _____ only) for the purchase of a motor car and the Central Government have agreed to lend the said amount to the Borrower on the terms and conditions hereinafter contained.

2. Now it is hereby agreed between the parties hereto that in consideration of the sum of Rs. _____ (Rupees _____) paid by the Central Government to the Borrower (the receipt of which the Borrower hereby acknowledges), the Borrower hereby agrees with the Central Government—

- (i) to pay the Central Government the said amount with interest calculated according to the said rules by monthly deductions from his salary as provided for by the said rules and hereby authorises the Central Government to make such deductions.
- (ii) within one month from the date of these presents to expend the full amount of the said loan in the purchase of a motor car or if the actual price paid is less than the loan, to repay the difference to the Central Government forthwith, and
- (iii) to execute a document hypothecating the said motor car to the Central Government as security for the amount lent to the Borrower, as aforesaid and interest in the Form provided by the said rules.

And it is hereby lastly agreed and declared that if the motor car is not purchased and hypothecated as aforesaid within one month from the date of these presents or if the Borrower within that period becomes insolvent or relinquishes his office or otherwise ceases to be a Leader of the Opposition or dies, the whole amount of the loan and interest accrued thereon shall immediately become due and payable.

In witness whereof the Borrower has hereunto set his hand the day and year first before written.

Signed by the said Shri _____ in the presence _____

FORM II

(Rule 6)

Form of mortgage bond for motor vehicle advance

This Indenture made this _____ day of _____ one thousand nine hundred and ninety _____ BETWEEN _____ (hereinafter called "the Borrower", which expression shall include his heirs, administrators, executors and legal representatives) of the one part and the PRESIDENT OF INDIA (hereinafter called "the President", which expression shall include his successors and assigns) of the other part.

Whereas the Borrower has applied for and has been granted an advance of Rupees—
to purchase a Motor Vehicle on the terms of rule 2 of the Leader of Opposition in Parliament (Advance for Motor Car) Rules, 1991 (hereinafter referred to as "the said Rules") AND WHEREAS one of the condition upon which the said advance has been granted to the Borrower is/was that the Borrower will/would hypothecate the said Motor Vehicle to the President as security for the amount lent to the Borrower AND WHEREAS the Borrower has purchased with or partly with the amount so advanced as aforesaid the Motor Vehicle particulars whereof are set out in the Schedule hereunder written :

Now this indenture witnesseth that in pursuance of the said agreement and for the consideration aforesaid the Borrower doth hereby covenant to pay to the President the sum of Rupees—
(Rs.—) aforesaid or the balance thereof remaining unpaid at the date of these presents by equal payment of Rupees—
(Rs.—) each on the first day of every month and will pay interest on the sum for the time being remaining due the owing, calculated according to the said Rules and the Borrower doth agree that such payments may be recovered by monthly deductions from his salary in the manner provided by the said Rules, and in further pursuance of the said agreement the Borrower doth hereby assign and transfer upto the President the Motor Vehicle the particulars whereof are set out in the Schedule hereunder written by way of security for the said advance and the interest thereon as required by the said Rules ;

And the Borrower doth hereby agree and declare that he has paid in full the purchase price of the said Motor Vehicle and that the same is his absolute property and that he has not pledged and so long as any money remains payable to the President in respect of the said advance, will not sell, pledge or part with the property in or possession of the said Motor Vehicle :

Provided always and it is hereby agreed and declared that if any of the said instalments of principal or interest shall not be paid or recovered in the manner aforesaid within ten days after the same are due or if the Borrower shall die or at any time relinquish his office or otherwise cease to be a Leader of the Opposition or if the Borrower shall sell or pledge or part with the property in or possession of the said Motor Vehicle or become insolvent or make any composition or arrangement with his creditors or if any person shall take proceedings in execution of any decree or judgment against the Borrower, the whole of the said principal sum which shall then be remaining due and unpaid together with interest thereon calculated as aforesaid shall forthwith become payable ;

And it is hereby agreed and declared that the President may on the happening of any of the events herein-before mentioned seize and take possession of the said Motor Vehicle and either remain in possession thereof without removing the same or else may remove and sell the said Motor Vehicle either by public auction or private contract and may, out of

the sale money retain the balance of the said advance then remaining unpaid and interest due thereon calculated as aforesaid and all costs, charges, expenses and payments properly incurred or made in maintaining, defending or realising his rights hereunder and shall pay over the surplus, if any, to the Borrower, his executors, administrators or personal representatives :

Provided further that the aforesaid power of taking possession or selling of the said Motor Vehicle shall not prejudice the right of the President, to sue the Borrower or his personal representatives for the said balance remaining due and interest or in the case of the Motor Vehicle being sold the amount by which the net sale proceeds fall short of the amount owing ;

And the Borrower hereby further agrees that so long as any moneys are remaining due and owing to the President, he, the Borrower will insure and keep insured the said Motor Vehicle against loss or damage by fire, theft, or accident with an Insurance Company to be approved by the Accounts Officer concerned and will produce evidence to the satisfaction of the Accounts Officer that the Motor Insurance Company with whom the said Motor Vehicle is insured have received notice that the President is interested in the policy ;

And the Borrower hereby further agrees that he will not permit or suffer the said Motor Vehicle to be destroyed or injured or to deteriorate in greater degree than it would deteriorate by reasonable wear and tear thereof AND further that in the event of any damage or accident happening to the said Motor Vehicle the Borrower will forthwith have the same repaired and made good.

THE SCHEDULE

Description of Motor Vehicle.

Maker's name.

Description.

No. of Cylinders.

Engine Number.

Chassis Number.

Cost Price.

In witness whereof the said—
(Borrower's name) and for and on behalf of the President have hereunto set their respective hands the day and year first above written.

Signed by the said in the presence of :

1. _____

2. _____

(Signature of witnesses)

(Signature and designation
of the Borrower)

Signed by (name and designation) _____

(for and on behalf of the President of India in the presence of)

1. _____

2. _____

(Signature of witnesses)

(Signature and designation of the Officer)

Name and designation of the Borrower— _____

FORM III

(Rule 9)

For the clause to be inserted in Insurance Policy

It is hereby declared and agreed that Shri— _____

_____ (the owner of the Motor Car

hereinafter referred to as the insured in the Schedule to this policy) has hypothecated the car to the President of India hereinafter called the "Government", as security for advances for the purchase of Motor Car and it is further declared and agreed that the said Government are interested in money and which but for this endorsement would be payable to the said Shri— _____ (the insured under this policy) in respect of the loss or damage to the said Motor Car (which loss or damage is not made good by repair, reinstatement or replacement) and such moneys shall be paid to the Government as long as they are the mortgagees of the Motor Car and their receipt shall be full and final discharge to the company in respect of such loss or damage.

2. Save as by this endorsement expressly agreed, nothing herein shall modify or affect the rights or liabilities of the insured or the company respectively under or in connection with this policy or any term, provision or condition thereof.

[No. F. 14(2)|89-WS]

R. SRINIVASAN, Secy.